विज्ञान भारती विदर्भ प्रदेश मंडळ

गीत

यह अपनी भारत माता संपूर्ण विश्व की माता
जीवन का हर ज्ञान इसी से सारा जग है पाता ।।धृ।।

उंगली रेखा पर जब गिनती सारा जग करता था
तब भारत तो बीजगणित का ज्यामिति का ज्ञाता था
शून्य दशमलव बिंदू दिया
लीलावती सा ग्रंथ दिया
शुल्बसूत्र का बोध दिया बोधायन का सूत्र दिया
वरना कैसे गणित आज का इतना विकसित होता ।।१।।
जीवन का हर ज्ञान इसी से सारा जगह है पाता

परमाणूके अंतरतम का अन्वेषण भी यही हुआ
सृष्टिचक्र का ग्रह तारोंका
गहन अध्ययन यही हुआ
सारे भौतिक शास्त्रों का आयुर्वेद रसायन का
भाषा लिपि संगीता कला का
दर्शन जीवन मूल्यों का
भारत से ही ज्ञान प्राप्त कर विश्व सभ्य कहलाता ।।२।।
जीवन का हर ज्ञान इसी से सारा जगह है पाता

भारत मां की रक्षा होगी
अपने पराक्रमों से
वैभव गौरव और बढ़ेगा अपने उपक्रमों से
भारतवासी जागे आलस निद्रा त्यागे
राष्ट्रभक्ति का भाव जगा कर समाज सारा जोड़ें
साथ हमारे विश्व कहेगा
जय जय भारत माता ।।३।।
जीवन का हर ज्ञान इसी से सारा जगह है पाता